



Dr. Himmat Bhardwaji
Popularly called the

Memory King

Calculator King <

Memory ka Maharathi

Yaddasht ka Baadshah

World's Greatest Memory Man <

The Maths-Memory Wizard etc.





WORLD RECORD Breaker

- Created 29 world records and 7 national records in the memory and calculations categories.
- One and the only person on the earth, who recollected all the 118 elements of the periodic table in just 21.62 seconds.
- Only human in the world, who calculated the cubes of all the numbers from 1 to 100 within 1 minute 48 seconds 84 nanoseconds, without the use of pen, paper, or any other aid.
- Created world record by calculating square roots of 10 randomly selected numbers up to 10 decimal places, within 54.50 seconds in the 'India Book of Records' office.
- Broke the Limca Book of Records' previous record by calculating the powers of 2(30 times) in 32 seconds and the powers of 3 (20 times) in 33.97 seconds.
- First and the only person, who created five world records in a single day. Accomplished this in the presence of a distinguished audience that included prominent personalities, bureaucrats, media personnel, etc.



PASSIONATE AND PROACTIVE LEADER



Believes in creating more leaders by sharing all his knowledge with his students. Some of the students he trained are:

- Vishesh Jakher, who at an early age of 6, achieved the world record for "Youngest Person to Recite the Periodic Table". He recollected 118 elements of the periodic table in the forward order in 38 seconds 69 nanoseconds.
- Vicky, who at the age of 8, achieved 2 world records in a single day. He did the square root and cube root calculations with the highest speed.
- Komal, who calculated the square of all the numbers from 1 to 100 within 1 minute 16 seconds, and 53 nanoseconds.
- Gaurav, who recollected 620 districts of India in 3 minutes 58 seconds, and 28 nanoseconds.
- Riya, who recited 199 countries and their capitals in 1 minute 17 seconds, and 19 nanoseconds.
- Nitin, who calculated 25 random cubes in just 37 seconds 62 nanoseconds without any aid.
- Ritik, who accurately solved the addition of 6 rows of 15 digits in 1 minute 3 seconds, and 22 nanoseconds.

>

OUTSTANDING INVENTOR



- Invented unlimited years calendar, multiple magic memorizing cards, multiple magic memorizing games, memory watch, memory home, etc.
- Discovered a scientific memory management system to retain and retrieve more than 1000 words, by listening and reading a single time, with a speed faster than a computer.
- Invented Memory Maths Lab.



SKILLED ENTREPRENEUR



- Founder & CEO of Adbhut Brain.
- Founder & President of Pratishtha World Records.
- Creator of Vedic Maths Mastery, Memory Mastery, Calendar Mastery and Study Mastery courses on Indian Skills Academy.
- Chairman of PRS Group of Schools.

LEADING MEMORY AND MATHEMATICS TRAINER <</p>

- Can tell about the date and day of any year starting from 1 to infinity, with lighting speed. That's why known as "Human Calendar for Unlimited Years".
- Directing a major project of Reliance Model Economic Township Limited, under which maths and memory workshops are conducted in government senior secondary schools.
- Conducts regular seminars and workshops in the top-most universities and schools of India, including Ramanujan College (Delhi University), SCERT, Haryana, Central University of Haryana, Indira Gandhi University, Shri Vishwakarma Skill University (SVSU), Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Delhi Sanskrit Academy, M.R.K. Institute of Engineering & Technology, Sainik School, Bal Bhawan, Rewari, Sainik School, RPS School, Starex International School etc.
- Master trainer at SCERT, Haryana.
- Brand ambassador at Navodaya Kranti, etc.

WINNER OF VARIOUS AWARDS

- Roll of Honour (2011) award by M.D. University.
- Earth Day Award (2014) by India Book of Records.
- Excellence Award (2014) by Samajik Sanstha Samarpan.
- Haryana Gaurav Award (2015).
- Outstanding Math-Memory Wizard Award (2015) by MTC Global etc.
- Memory Genius of the Year Award (2016) by the Gujarat-based Genius Foundation.

ACCOMPLISHED THE EXTRAORDINARY

- His latest book was released by the registrar of the Central University of Haryana.
- His thesis "Recollected Periodic Table in Short Period (Forward)" was conferred Honorary Doctorate Degree by World Records University's representative, Mr. Thomas Bain.
- The Central University of Haryana is going to introduce Memory and Math as an elective subject from the next academic session after taking a cue from Dr. Himmat Bhardwaj.

OFTEN FEATURED IN MEDIA AND NEWS

- Covered by Zee News, India News, Haryana News, Khabrain Abhi Tak, The Tribune, Hindustan, Dainik Jagran, Dainik Bhaskar, Punjab Kesari, Navbharat Times, etc.
- Interviewed By more than 300 famous media personalities.

मेमोरी किंग हिम्मत को मिली डॉक्ट्रेट की मानद उपाधि









अमर उजाल

केलकुलेटर से जल्दी जवाब सुनकर हैरान हो गए विद्यार्थी



माइंड मेमोरी सेमिनार में स्टूडेंट्स ने सीखे गुर



नवभारत टाइम्स Gurgaor

एक कैलंडर जो असंख्य वर्षों तक आएगा काम

की सदद में। जनवंदी वर्ष । हे असंख्या साल तक तो ग्रीबफल एक आएगा। इस तदर 15 वनवरी 1950 कम्म भी तारीख और दिन को आसानी में निकाला मां। को दिन या गतिवार। शेषफल के कोड इस तरह है,



2014 को बना दिया खास

हिम्मत भारद्वाज के रिकॉर्ड

। मानव शरीर की सभी 206

स्कुल में गणित से इतना उस कि उसने पढ़ाई छोड़ अखबार बेचना शुरू कर दिया। एक दिन पड़ोसी ने उसके पिता को कह दिया पंडित जी आपके बेटे ने तो निहाल कर दिया। यह बात परिवार

ता निक्कत कर दिया। यह बात प्रांत्या के सदस्यों को नागकर लगी।
विता ने गुज़गाव में सिक्क्योरिटी गार्ड की नोकरी कर गांव ओह गुज़ागंव में रिक्क्योरिटी गार्ड की नोकरी कर गांव ओह गुज़ागंव में रहना जुरू कर दिया। हिम्म ने घर के हुस्तात व गणिश के इर में मुक्कालय करने की हिम्मत दिखाई। किसी तरह 12 वीं पास की। अंदी-मोटी नीकरी की तराम में देखा की स्वीची की तराम की। तरह 12 वा पास की छोटा-मोटा नीकरी की तत्ताश में जुट गया लेकिन पिता ने उसका गुड़गांव के राजकीय महाविद्यालय सेक्टर 9 कॉलेज में दाखिला करा दिया। यहां हिम्मत में शिक्षा के प्रति नई ऊर्जा पैदा हो गई।

गणित से डर से स्कूल छोड़ने वाले हिम्मत ने गणित में ही बना दिए १० विश्व रिकॉर्ड

इन्हें दुनिया के सभी देशों के नाम जुवानी याद है।

वर्गमल की सबसे तेज गणना

हिंद्रयों को सबसे कम समय 20 सेकेंड १२ नेनो सेकेंड में सुनय सबसे तेज क्यूब की गणना तक गुणा करके दिखाया • 1 सिनंद से 40 राजधानी परुचानी

बोट : पूरी बुनिया में सबसे तेजी से रिकॉर्ड बनाए और किसी भी रिकॉर्ड को अभी तक कोई नहीं तेड़ पाया है।



इंडिया बुक आफ रिकॉर्ड ने अर्थ डे अवॉर्ड दिया

सभी रिकॉर्ड के बबबे के बाद हरियाणा के इस युवा को मेमोरी किंग का वाम मिला। मिला है, जिसकी शुरुआत पुरुषेरी (पंडिपेरी) सुख्यमंत्री एवं रंगारवामी करेंगे।

व्यंतिन के दूसरे बार्कममें में हिस्सा मजबूत उपस्थित दर्ज करा वरित्त उसने दूसरे विकरणों पर काम करना नाम इंडिया कुक ऑफ हिकार्ड में दर्ज अपने नाम कर लिए। उनके हिकार्ड ने अस्पन 2012 को करावा इस्सा में पीछे को देखते हुए कर्ड विवर्ध हुम्मत ने पीछे को देखते हुम्मत ने पीछे को देखते हुम्मत ने पीछे के व्यंत्र हुम्मत ने पीछे के व्यंत्र हुम्मत ने पीछे के देखते हुम्मत ने पीछे के व्यंत्र हुम्मत ने पीछ के व्यंत्र हुम्मत ने पीछ के व्यंत्र हुम्मत ने पीछ ने पीछ



'हिम्मत' ने हुनर से जीत लिया जहां

हंसराज 🏻 तया गरुगाम

आज भी बच्चों की प्रतिभा का आकलन अधिकांश अभिभावक उनके मार्क्स के आधार पर ही करते हैं, लेकिन कुछ होनहार ऐसे भी हैं जो बोर्ड परीक्षाओं में मार्क्स के मामले में भले ही पिछड़ गए हों पर अपनी मेहनत से रोजगार के क्षेत्र में अलग मकाम बना रहे हैं। गरु द्रोण की धरती गरुग्राम में भी ऐसे कई प्रतिभावान नौजवान हैं जिन्होंने मार्क्स के पैमानों को तोडते हुए अपनी पहचान बनाई है। उन्हीं में से एक हैं मेमोरी किंग डॉ. हिम्मत भारद्वाज। दसवीं की गणित परीक्षा में केवल 33 फीसद अंक लाने वाले हिम्मत के नाम गणित के क्षेत्र में दस रिकार्ड के साथ 23 वर्ल्डरिकॉर्ड और 6 नेशनल रिकॉर्ड हैं। वर्गमल की सबसे तेज गणना सबसे कम समय (54 50 सेकेंड्स) में व सिर्फ 21 सेकेंड में



- मेमोरी किंग डॉ. हिम्मत को दसवीं में गणित में 33% अंक मिले थे
- अब गणित के क्षेत्र में इनके पास है 23 तर्ल्ड रिकॉर्ड



थारने एवं मेमोरी किंग डॉ हिम्मत भारदान के साथ संतरा देवी ... जागागा

रसायन शास्त्र की पीरियोडिक टेबल सनाने का वर्ल्ड रिकार्ड भी उनके नाम है। गरुग्राम के राजेंद्रा पार्क निवासी 29 वर्षीय डॉ. हिम्मत मूल रूप से झज्जर के

गांव साल्हावास के रहने वाले हैं। हिम्मत को मिल चुके हैं कई सम्मानः अपनी स्मरण शक्ति के दम पर ख्याति बटोर चुके डॉ. हिम्मत को 'मेमोरी

जीनियस ऑफ द ईयर 2016' 'आउटस्टैंडिंग मैथ मेमोरी विजार्ड अवार्ड', 'हरियाणा गौरव अवार्ड' समेत कई सम्मान से सम्मानित किया जा चुका

है। सितंबर 2015 में उन्हें एमटीसी ग्लोबल द्वारा एशिया के 33 महत्वपर्ण लोगों की सुची में शामिल किया गया था। गणितज्ञे श्रीनिवास रामानुजन को

कामयाबी की राह

गणित में थे कमजोर, अब बने गणितज्ञ

हो तुम।

लगा था कि सपना टूट गया...

जब कक्षा दसवीं का परिणाम आया था तो लगा कि परिवार का सपना टट गया। परीक्षा के नंबर देखकर काफी निराशा हुई थी। दसवीं के गणित पेपर में कम अंक आने के बाद उसने पढ़ाई छोड़ अखबार बेंचना शुरू कर दिया था। एकलौते बेटे का पढाई छोडकर अखबार बेचना साधारण परिवार के ऊपर पहाड टटने जैसा था।

ऊपर से रिश्तेदारों व गांव वालों के तानों से तंग आकर हिम्मत के पिता (आर्मी के सेवानिवत अधिकारी) ने गांव छोड़ गरुग्राम में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी शरू

कर दी। हम लोगों के लाख समझाने पर हिम्मत ने किसी तरह 12वीं पास कर

लिया और उसके बाद हमने उसका नामांकन गुरुग्राम के ही सेक्टर–9 स्थित

राजकीय महाविद्यालय में करवा दिया। ये फैसला हिम्मत के लिए टर्निग पॉइंट

साबित हुआ। महाविद्यालय के जोनल यूथ फेस्टिवल, इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल

में जिला व प्रदेश स्तर पर मजबत उपस्थिति दर्ज करा कर उसने कॉलेज का रोल

ऑफ ऑनर अवॉर्ड अपने नाम कर लिया। अक्टूबर 2012 में फास्टेस्ट क्यूब रूट

रिकार्ड में दर्ज कराया और उसके बाद एक-एक कर उसने 23 वर्ल्डरिकॉर्ड और

यनिवर्सिटी युके की तरफ से उसे 29 सितंबर 2014 को डॉक्टरेट की उपाधि दी

गई। अपने बेटे की उपलब्धि पर आज मैं गर्व से कहती हूं कि मार्क्स से ज्यादा प्यारे

6 नेशनल रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उसके रिकॉर्ड को देखते हुए वर्ल्ड रिकॉर्ड

कैलकलेशन में पहला नेशनल रिकॉर्ड बनाकर अपना नाम इंडिया बक ऑफ

अपना प्रेरणास्त्रोत मानने वाले डॉ. हिम्मत विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को वैदिक गणित पढ़ाने के अलावा मोटिवेशन भी देते हैं।

संतरा देवी

उपलब्धि साल्हावास के हिम्मत का कमाल, गांव को दुनिया में दिलाई पहचान

स्क्वायर रूट की तेज गणना का विश्व रिकॉर्ड

करने में गांव साल्ह्यवास निवासी 23 वर्षीय हिम्मत भारद्वाज ने अनुदी पतिभा के बल पर विश्व रिकॉर्स बन गांव को दुनिया में नई पहचान दिलाई

रहकर हिम्मत आगे की पढ़ाई पूरी कर रहा है। मेमोरी किंग हिम्मत ने गणित में अपने हनर के चलते एक के बाद एक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। हॉल ाकाड अपने नाम करालए हा हाल ही में उसने स्ववायर रूट (वर्गमूल) में विश्वस्तर पर सबसे तेज गणना कर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। विश्व तीन बार बना इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड

फास्टेस्ट क्यूब, फास्टेस्ट स्क्वायर रूट कैलकुलेखन का नेखनल अवार्ड भी मिल कर्त्रपुरुत्सम्बन का मध्यन अवाड भी मान चुका है। इस उपलिध्य के लिए इडिया बुक ऑक रिकॉर्ड में नाम बज़ें हो चुका है। बीती 15 मई को हिम्मत ने रसावन विज्ञान की आवर्त सारिणी में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम बजी कराया। हिम्मत ने रिकॉर्ड अ अपमा बाम पडा कराया। ाहम्मत में सिफ 36 सेकेंड में रसायन विज्ञान की पेरीयोडिक टेबल के 118 बब्बों को सबसे कम समय वर्गमुंच में सबसे तेजा गणना का में बोलकर रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे रिकॉर्ड बनाने वाला हिम्मत। पहले यह रिकॉर्ड अदिती श्रीयास्तव के नाम था, अदिती ने 50.25 सेकेंड में यह मुक्तम हासिल किया था।

हिम्मत के स्कवायर रूट की सबसे दर्ज कर दिया है। मार्च माह में हिम्मत तेज गणना का रिकॉर्ड हिम्मत के नाम ने कैलकुलेटर के स्कवायर रूट में

है, लेकिन उसे पूरी उम्मीद है कि यह रिकॉर्ड भी जल्ब ही हासिल कर लंगा रकाड भा जल्द हा हास्तर कर लूगा। हिम्मत ने अपनी इन उपलब्धियों का श्रेय अपनी दादी मां विद्या देवी, पिता पूर्व सैनिक जुगलिकशोर समी व माता सत्तरा देवी के साथ शिक्षकों बिम्ह्यरूप राय चौधरी य अदिती (सिंचल, दिनेश दत्त भारद्वाज को दिया है।

1-10 दशमलव (डेसीमल) की एक से लेकर 100 से ऊपर अंकों की गणना करते हुए 54.50 सेकेंड में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में सबसे

संख्या भूलने की समस्या से मिलेगी निजात

संबंध के नियम व कल्पना

गुड़गांव। भागदौड़ भरी जिंदगी में अब लोगों को नंबर (संख्या)भलने की समस्या से निजात मिलने जा रही है। शहर के राजेंद्रा पार्क निवासी मेमोरी किंग डॉ. हिम्मत भारद्वाज ने इसका आसान तरीका खोज लिया है। उन्होंने ताश के पत्तों की तर्ज पर एनएमसी (नंबर मेमोराईजेशन कार्ड्स) ईजाद किए हैं जिन्हें जल्द ही लांच करवाकर लोगों को समर्पित करेंगे। एनएमसी के जरिये आमजन के साथ-साथ विद्यार्थियों, नौकरी-पेशे से जुड़े लोगों आदि को अपने दैनिक जीवन में किसी भी नंबर को याद रख पाना अब आसान होगा। उनके द्वारा तैयार किये गए एनएमसी के ताश रूपी 52 पत्ते मेमोरी को बढाने के साथ-साथ नंबरों के जटिल आंकडों को आसानी से याद रखने में मील का पत्थर साबित होंगे।

आरएचआर वर्ल्ड रिकाडर्स ने किया दर्ज

डॉ. हिम्मत के अनुसार दुनिया में पहली बार ऐसे कार्ड्स बनाए गए हैं जो कि मेमोरी को बढ़ायेंगे तथा ये मेमोरी को बढ़ाने वाले सिद्धांतों पर ही आधारित हैं।

नंबरों की मेमोरी के लिए तैयार किये गए कार्ड्स को आरएचआर वर्ल्ड रिकार्ड्स (यूके), वर्ल्ड रिकार्ड्स इंडिया, वर्ल्ड एमेजिंग रिकार्ड्स द्वारा रिकार्ड के तौर पर भी दर्ज कर लिया गया है।

खोजा तरीका



 लोगों के लिए जल्द ही लांच करेंगे एनएमसी

डा. हिम्मत भारद्वाज । 👩 नेशनल दुनिया

शक्ति पर आधारित एनएमसी (नंबर मेमोराईजेशन कार्ड्स) मेमोरी बढाने के संबंध का नियम व कल्पना शक्ति के वैज्ञानिक सिद्धांतों पर बनाए गए हैं। वैज्ञानिकों के अनसार जब किसी भी चीज को इमेज करके अपनी कल्पना शक्ति में देखते हैं तो हम उसे अच्छे से याद रख पाते हैं।

कल्पना शक्ति में देखी हुई चीज को किसी चीज से संबंध स्थापित करते हैं तो वह आसानी से याद आ जाती है तथा लंबे समय तक याद रहती है। इन कार्ड्स में 100 मेमोरी के कोड दिए गए है, जो कि फोनेटिक मैथड व साउंड बेस्ट पर आधारित है। प्राचीन समय से ही 0 से 9 तक नंबर की साउंड निर्धारित की हुई है। इन कार्ड्स की मदद से 100 तक किसी भी वस्तु व संख्या को याद कर

स्वयं के फार्मुलों को लाएं

मेमोरी व कलकुलेशन के क्षेत्र में 17 वर्ल्ड रिकॉर्ड व 6 नेशनल रिकार्ड्स बना चके मेमोरी किंग डॉ. हिम्मत भारद्वाज ने मेमोरी बढाने के स्वयं द्वारा प्रयोग में लाने वाले फार्मलों को आमजन के सामने लाने के लिए नंबर मेमोराईजेशन कार्डर्स को ताश रूपी पत्तों के रूप में तैयार करके एक अनुही पहल की है। उनकी एनएमसी की यह नई खोज सभी की मैमोरी बढ़ाने में एक कांतिकारी कटम साबित होगी।

डा, भारद्वाज का मानना है कि दिमाग रंगों व भावनाओं पर तेजी से काम करता है। इसी के चलते उन्होंने खेल तरीके में रूचिपूर्ण तरीके से इन कार्ड्स को बनाया है तथा इन पर युनिक नंबर, विभिन्न प्रकार की इमेज को उकेरा गया है व बेहतरीन तरीके से कार्ड्स पर तुकबंदी की गई है। उनका कहना है कि एनएमसी के कुछ दिनों के अभ्यास के बाद नंबरों को याद करने में किसी प्रकार का कोई संशय

दश्या प्रकाश ने गांगत व प्रमा आप आप तो है। त्या क्रिना नारकार्थ ने श्रव-श्रव गांगत प्रभाव राज्य करने की कोशिश की तो उन्होंने कभी नहीं सोवा था कि उनकी यह लड़ाई उन्हें विश्व के आने नामें गणितड़ों में शामिल कर देगी। इतना ही नहीं आज डॉ. हिम्मत भारद्वाल के नाम गणित और मेमोरी पावर में अलग-अलग विषयों पर 27 विश्व रिकॉर्ड दर्ज हैं। इसके अलावा 5 नेशनल रिकॉर्ड उनके

खाते में हैं। वर्ल्ड रिकॉर्ड यनिवर्सिटी लंदन ने उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा है।

और इस तरह को सैकड़ों गतिविधियों डॉ. हिम्मत उसको मैं यह सब किशुल्क सिखा सकता हूं। मेरी

बनाना चाहते थे गणित का जादूगर छह बच्चों ने बनाया रिकॉर्ड

छह बंद्या न बनीया (TODS)

वी किस्सा पाइतान के कुछल मार्गरार्थन वे ८ सम्बे बना पुत्रे हैं शिव्ह रिवर्ड और ४ सम्बे सो स्वेतन्त्र अपनी सो से स्वान्त अपनी स्वान्त पुत्र हैं। ताम प्रवृत्त हैं। ताम प्रवृत्त के प्रवृत्त में विश्व प्रवृत्त किस्त के साम से पूर्व के एक अध्यान में ती भावता ने पूर्व के प्रवृत्त अपनी वीचे से मार्ग से पूर्व के प्रवृत्त को प्रवृत्त के प्रवृत्त

एक पेज पर बनाया असंख्य वर्षों का कैलेंडर

आरएचआर बुक, गोल्डन बुक, एशिया बुक एवं वर्ल्ड रिकॉर्ड्स इंडिया में नए कीर्तिमान के रूप में दुर्ज

सात्हावास निवासी मेमोरी किंग हिम्मत भारद्वाज ने बनावा कैलेंडर

प्रतिभा

मंद्रकाल में बनावा एकराइट संदार सुन, सात्स्वार : वर्षभा के हिसाब किताब की लोकर वर्ष में तक आपने एक साल का कैलोकर देखा होगा । जिससे एक पेज में 12 मारीने के दिव्य और तार्रोख होते हैं। यही गांव सहरहासक गांवे का मीमों है किंगा हिम्मा चारदावा ने आपन्य कार्यों का मीमों है किंगा हिम्मा चारदावा ने आपन्य कार्यों का मीमों के पर मानावा ने नामा चित्र में त्रीपर तैयार किंगा एवं इस सेलोकर में आप किन्सी भी तिर्थि का सर (दिला) आपनी मी जान मानते हैं। इनके हार तैयार किए एकर एकपण्डाचन कैलेडर से हमा अच्छी तरह से मानतीसक व्याव्याम करके अपनी मोमों को भी बोलार व नेज बना सकेशे। आही इसके साम ही उन्होंने नवंदों को आसानी से याद करने के हिए राज तक पंत्र भी की कर्या पर 52 अनुदेव पत्रों भी तैयार किल् है। जो पायर ऑफ मोमों नामा की स्वाप्त कर है। जो पायर और मोमों नामा के साथ बनाए गए है, जी किन्सी नंबर को आसानी से पिक्तर में दर्शन देते हैं।

52 अनुन भाकोंडिया नियमी के साथ बनाए गए हैं, जा
कोंडिया नियमी के साथ बनाए गए हैं, जा
किसी नबर को आसाने के रिषय उनके द्वारा
निर्कार के देश को बानों के रिषय उनके द्वारा
निर्कार के देश को बानों के रिषय उनके द्वारा
निर्कार भारदान द्वारा तैयार किए गए इन
कारानों को आरएवजार युक्त और करने अपनी प्रतिकार के बार पर अनेक विकार से किसी हैं (क्रेन), गोरवन मुक्त और करने अपनी प्रतिकार प्रेट य देश को दुनिया में नई पहचान
रिकार्ड (बुएसए), एशिया युक्त और एशियन
दिलाई है।



वर्ल्ड रिकॉर्ड दिखाते हिम्मत भारद्वाज।

कोडिंग के आधार पर बनाया कैलेंडर क्रमाउन पर आधार पर स्थानित प्रकार केरी हुए हैं हिम्मह बात हाल ही में बनार गर केरीडर में 1 जनवरी 0001 साल से अनीलमिटेड वर्षी तक दिस्सी भी तारीख का दिन इसमें थे गई कोडिंग करके असानी से निकला जा सकता है। इसकी जानने के दिल्प केरता एक वेज पर दी गई कोडिंग का हो इस्तेमाल करना होगा।



ऐसे पता चलेगा साल का दिन

असंख्य वर्षों के इस केलेंडर में कोई भी दिन निकातने के शिए कोडिंग दी गई है। जिसके आधार पर किसी भी साल तक के दिनों का पता लगावा जा सकता है। जैसे हमें यदि 15 जनवरी 1950 के दिन पता लगाना हैं, तो हमें सबसे पहले 15 तारीख का तालिक कोड जो 1 है लें, उसके बाद जनवरी महीने का कोड भी 1 है, उसके बाद 19वीं सेन्तुरी का कोड़ 0 है, अंत में वर्ष का कोड़ जो 50 का 6 है लें, जिनका जोड़ 8 आता है। इसके बाद इस संख्या को तक हम 7 से भाग करेंगे तो शेवकल एक आएगा। इस तरह 15 जनवरी 1950 को दिन वा रविवार। शेककल के कोड 1-रविवार, 2-सोमवार, 8-मंगलवा



हिम्मत भारद्वाज को जारी प्रमाणपत्र। जानत

सभी बना सकते हैं अच्छी याददाश्त स्ताना बना। स्वयंत्र हु अध्या वाद्यन्त्रस्य अर्थन प्रवाद वर्ष भी अपनी व्यवस्त अवश्री बन स्वयंत्र है। प्रिम्म वह मानना है कि अन्य कर्षों के करने के सिद्धांत की सरह दिन्या कर मी कर्ष करने के सिद्धांत की सरह दिन्या कर भी कर्ष करने के सिद्धांत है। उसे तीक प्रवाद से मेर्नेज करके करने वाली बात है। इस क्रिकी भी बीज को इरकारण करने वह करने के सिद्धांत करें में ती वह असनी में हमारे अंद्रीक कर में हम के अपने के स्वयंत्र करने के स्वयंत्र करने के स्वयंत्र करने के स्वयंत्र करने के स्वयंत्र के स ठिकर अभ्यास करने से कोई भी अच्छी याददास्त का वनी हो सकता है।





स्कूल में पढ़ाई के दीवान गणित से प्रवान वाले रिम्मा भारदाज में एसी रिम्मत दिवान है कि दुनिया दंग है। दराजमल साईवर सिटी गुज़ांव के निवासी रिम्मत भारदाज में एक लाख वर्ष का कैलीड केरूच करूर करके अप्भुत क्योतिमान बनावा है। बहुत में रिकाइमें अपने नाम करने वाले रिम्मत अमंडक नंदरों को कुछ हो देर में बाद कारक उन्हें सीधे ये उन्हें रूप में आसानों से बता सकते हैं। सैकड़ों मोबाइल नंबर कुछ





मेमोरी किंग तोड़ेंगे विश्व रिकॉर्ड दो माह में आएगी रिपोर्ट

दो नन्हें बच्चों ने भी दिखाया अपनी प्रतिभा का जीहर

2004 की बात है। गांव सालावास के राजकीय महल में आउवों में खुने बाता हिम्मत पारद्वाज पवड़ों के नाम पर कतास में बक्त पारता था। पवड़ों कोड़कर कोट्ट-मोटा कम करने का मन करता था। हासीलप सुबक्त उजक अखबास बांटने लगा। एक दिन पड़ीसों ने आमी पिटायर हिम्मत के पिता जानार

मौजूद थी। किम्मत द्वारा पांच विश्व रिकॉर्ड बनाने के प्रयासों को वीडियो व रिकॉर्ड को गिनीज कुक औफ बर्ल्ड रिकॉर्ड को गिनीज कुक औफ बर्ल्ड रिकॉर्ड आरएचआर वर्ल्ड रिकॉर्ड





दो मिनट में याद

दो नन्हें मेमोरी किंग्स ने भी दिखाई प्रतिमा

में भेजा जाएगा। इसके लिए बकायदा इन संस्थाओं से अनुमति लेने के डिस्टे इस्डार व करोड़गढ़ के के उन्हें क्षाच्यों हे भी उसकी प्रतिक का जोटर केवा इस संस्थाओं से अनुमति लेने के इन सहस्वाभा सं अनुभात लन क बाद यह आयोजन किया गया था। इस सिकोई को टीम के द्वारा दो दिनों के हमने की सिका कर निया सरस्वाभा के प्रेय ता के विशेष व नदेश्या की देखा भीतर हिस्सी स्थित सभी संस्थाओं के के चाद क्रिक्टी में अलब दिया।

मेमोरी किंग ने बताए याददाश्त बढ़ाने के नुस्खे

मीरपुर के आईजीयू में हिम्मत भारद्वाज द्वारा बनाए गए असंख्य वर्ष के कैलेंडर का हुआ विमोचन



असंख्य वर्षों के कैलेंडर का हुआ विमोचन

ऐसे मिलेगी सक्सेस मैथ्स में 33 नंबर लाने वाले हिम्मत भारद्वाज आज मेहनत के बल पर बन गए मेमरी किंग

समझो मेमरी का फंडा, एग्जाम में नहीं आएगा अंडा



क्ष स्पर्धी शतन, पुरार्गाव पित्रमत के 10वी जोर में सम्म का सेम में पहल व्यर पहारों छोटने का मन ची किया सेमन क्षेत्रम स्पर्धी छोटने का मन ची किया सेमन क्षाप्ति में गाँव में यू वो आदर्स रहिमान का नवाल हिमान ने 11वी में यू वो आदर्स रहिमान का नवाल हिमान ने 11वी में यू वो आदर्स रहिमा स्पर्धि के स्वार्थ में स्पर्ध में में में में में मान का नवाल हिमान में प्रधा में मानकार कह अपनी मार्ग्य के गाँव करो गाँव मार्ग्य में मार्ग्य का मार्ग्य हु मार्ग्य हु में तीवीन मोर्ग्य में मानकार कह अपनी मार्ग्य के गाँव करो गाँव मार्ग्य हु मार्ग्य हु मार्ग्य हु मार्ग्य हु मार्ग्य में स्वार्थ मार्ग्य के मार्ग्य हु मार्ग्य हु मार्ग्य हु मार्ग्य मार्ग्य हु मार्ग्य हु

ए-जाम में पास और फेल होने का कारण केवल मंगोरी से जुड़ा है। उगर फिसी की मेमोरी जुड़ाी है तो वो टीपर है, जिसकी बाद रखने की क्षमता कम है तो वो केवल एवरेज रहुउँद्वर है। जैसे हर स्टूडेट को बाद रस्ता है कि उसका रकुल काल है, घर किया रास्ते जाना है, जीन टीवर किया संकोवट को है ऐसे ही सरकारत करीज मिक्स को बाद राजा जा सकता है। उगरह में वी सब बाद रस्ता है, जो हम बाद रखना वाहते हैं। रकुल, जीलेज और यूनिवर्सिटी आज के समय में रकुल के कवा की मेमोरी के लिए रसेवात कसार लगवाते हैं। जिसमें हैम्मत बच्चों को मेमोरी के आसान मैक्ट के बारे में बताते हैं।

विश्व रिकॉर्ड बनाने वाली संस्था रिकॉर्ड होल्डर रिपब्लिक ने स्ववायर रूट की सबसे तेज गणना का रिकॉर्ड किया हिन्नत के जाम

'हिम्मत' ने विश्व रिकॉर्ड में भी लिखवाया अपना नाम



